No. 1-33/LG Help Desk/CPGRAMS Portal/CC/2017/ 213

अंडमान तथा निकोबार प्रशासन

ANDAMAN AND NICOBAR ADMINISTRATION

सचिवालय/**SECRETARIAT**

******

Sri Vijaya Puram, dated the 20th 22nd August, 2025.

To,

The Assistant Manager (IT),
EDP Cell,
Secretariat.

Sub: -Award of Lt. Governor's Commendation Certificate on the occasion of Independence Day, 2025-reg.

Sir,

I am to inform that the following Candidates /Team members has been awarded with the Hon'ble Lt Governor's Commendation Certificates on the occasion of Independence Day, 2025 along with the medals by Hon'ble Lt. Governor, A & N Islands.

In this connection, it is requested to upload the list of awardees and their achievements (Hindi Citation) in Administrative Portal of A&N Administration. The names of the awardees:

Sl. No.	Name & Designation
01	Andaman & Nicobar Fire & Emergency services Training Centre
02	Shri Ram Vikas, Forest Guard, DCF (WL), Manipur Parvat National Park Range, Forest Dept. A&N Administration.
03	Floating Dock Navy 1 and 2, Naval Ship Repair Yard, Sri Vijaya Puram. Unit: NSRY (SVP)
04	Teaching & Non-Teaching Staff, Naval Kindergarten, Sri Vijaya Puram.
05	**TEAM ROWING SPORTS**
a	Ms P Alagammal, Athlete (Rowing), Sports Authority of India, STC, Netaji Stadium, Sri Vijaya Puram.
b	Ms Sneha Toppo, Athlete (Rowing), Sports Authority of India, STC, Netaji Stadium, Sri Vijaya Puram.
06	**TEAM KAYAKING & CANOEING SPORTS**
a	Ms Rishika Kumari Ekka, Athlete (Kayaking & Canoeing), SAI, STC, Netaji Stadium, Sri Vijaya Puram.
b	Mr S Yuvaraj, Athlete (Kayaking & Canoeing), SAI, STC, Netaji Stadium, Sri Vijaya Puram.
07	**TEAM CYCLING SPORTS**
a	Shri Apolonious, Cycling, Car Nicobar.
b	Shri Gourav Mondal, Cycling, Sri Vijaya Puram.
08	Shri Emmanuel, Football Player/Village Headman- 2nd Captain
09	**TEAM SCUBA DIVE INSTRUCTORS**
a	Shri Dickson Poayesay, Scuba Dive Instructor
b	Shri Jackson Poayasay, Scuba Dive Instructor,
10	Shri Saw John Aung Thong,

अण्डमान तथा निकोबार अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा प्रशिक्षण केन्द्र

अण्डमान तथा निकोबार अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना 1992 में हुई और तब से यह केन्द्र फायरमैन तथा लीडिंग फायरमैन प्रशिक्षण सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों के माध्यम से अग्निशमन कर्मियों के प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इस केन्द्र ने हाल ही में आधुनिक डिजिटल शिक्षण उपकरणों को अपनाकर अपनी शिक्षण सुविधाओं को उन्नत किया है, जिससे सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण दोनों की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। इस केन्द्र द्वारा वर्ष 2024 से द्वीपों के लोगों को लगातार अग्नि सुरक्षा पर जानकारी देने के लिए 3 दिवसीय पाठ्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण के दौरान अब तक इन द्वीपों के 3,800 से अधिक लोगों को अग्नि सुरक्षा के बारे में प्रशिक्षित किया गया, जिससे फायर कॉल की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है।

इस केन्द्र को 2025 में नागपुर के राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा महाविद्यालय के राज्य प्रशिक्षण केन्द्र के तर्ज पर प्रतिष्ठित मान्यता प्राप्त हुई। परिणामस्वरूप, यह केन्द्र भारत के उन 11 संस्थानों की श्रेणी में शामिल हो गया है जिन्हें यह मान्यता प्राप्त है। जिसके कारण इस केन्द्र को उप–अधिकारियों के पाठ्यक्रम आयोजित करने में विशेष उपलब्धि हासिल हुई है।

आम लोगों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक और प्रशिक्षित करने में किए गए उल्लेखनीय योगदान को अंगीकार करते हुए अण्डमान तथा निकोबार अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा प्रशिक्षण केन्द्र को उप राज्यपाल का प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

****

श्री राम विकास, वन रक्षक
मणिपुर पर्वत राष्ट्रीय उद्यान रेंज, वन विभाग

श्री राम विकास वन विभाग में वन रक्षक के पद पर कार्यरत हैं। आपने द्वीपों में स्थानिक पक्षियों के आवास स्थलों की खोज कर पक्षी दर्शन पर्यटन को लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आपने विभाग द्वारा 2016 में पक्षीविज्ञान पर आयोजित प्रशिक्षण प्राप्त किया। उसके बाद आपने अण्डमान एवियंस क्लब की सह–स्थापना कर सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को विभिन्न पक्षी-दर्शन के स्थलों और स्थानिक पक्षियों के प्रजातियों से संबंधित जानकारी प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

आपने एवियंस क्लब और वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एशियाई जल पक्षियों तथा ग्रेट बैकयार्ड पक्षियों की वार्षिक गणना में भी अहम भूमिका निभाई है। आपके इन प्रयासों से द्वीपों में पक्षी-दर्शन पर्यटन को बढ़ावा मिला और इससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

पक्षी-दर्शन पर्यटन को लोकप्रिय बनाने में किए गए उल्लेखनीय प्रयासों को अंगीकार करते हुए वन विभाग के मणिपुर पर्वत राष्ट्रीय उद्यान रेंज के वन रक्षक श्री राम विकास को उप राज्यपाल का प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

****

फ्लोटिंग डॉक नौसेना 1 और 2
नौसेना पोत मरम्मत यार्ड, श्री विजय पुरम

फ्लोटिंग डॉक नौसेना - 1 और 2 को क्रमशः वर्ष 1987 और 2016 में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। इन फ्लोटिंग डॉक में भारतीय नौसेना के जहाजों, पनडुब्बियों और यार्डक्राफ्टो की अण्डरवाटर मरम्मत के कार्य किए जाते हैं जो नौसेना पोत मरम्मत यार्ड के डॉकिंग केन्द्र के रूप में कार्यरत हैं। इन फ्लोटिंग डॉक में अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के जहाजों की मरम्मत के लिए भी डॉकिंग सुविधाएँ प्रदान की जाती है।

फ्लोटिंग डॉक नौसेना-1 द्वारा अब तक 756 और फ्लोटिंग डॉक नौसेना-2 द्वारा 279 जलयानों का मरम्मत कार्य किया गया। श्री विजयपुरम में कलपुर्जों और सेवाओं के अभाव की चुनौतियों के बावजूद भी इन दोनों फ्लोटिंग डॉक द्वारा अब तक 1000 से अधिक जलयानों के मरम्मत कार्य को पूरा किया गया जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

इन दोनों फ्लोटिंग डॉक ने बेहद खराब मौसम और रात के समय भी बेहतर ढंग से कार्य करते हुए अपनी डॉकिंग क्षमता को साबित किया है। इन फ्लोटिंग डॉक में अन्य नौसेना कमानों से भी जहाजों और पनडुब्बियों को लाकर डॉक किए जाने के कारण इस द्वीपसमूह की सुरक्षा और भी अधिक सुदृढ़ हुई है। इस प्रकार सामरिक दृष्टि से ये दोनों फ्लोटिंग डॉक की उपयोगिता एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय परिसम्पत्ति के रूप में सिद्ध हुई है।

उत्कृष्ट कार्य क्षमता और राष्ट्रीय हित में की गई विशिष्ट सेवाओं को अंगीकार करते हुए श्री विजयपुरम स्थित नौसेना पोत मरम्मत यार्ड के फ्लोटिंग डॉक नौसेना- 1 और 2 को उप राज्यपाल का प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

****

शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारीगण, नेवल किंडरगार्टन श्री विजयपुरम

नेवल किंडरगार्टन विद्यालय श्री विजय पुरम में प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाएँ प्रदान कर रहा है। इस विद्यालय की पहली शाखा वर्ष 1974 में जंगलीघाट स्थित विजय बाग में आरम्भ की गई थी। बाद में इन द्वीपों की बढ़ती शैक्षिक आवश्यकताओं को देखते हुए वर्ष 1999 में मिनी बे में इसकी दूसरी शाखा स्थापित की गई। इन विद्यालयों ने युवा प्रतिभाओं की शैक्षिक यात्रा में एक मजबूत आधार प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

नेवल किंडरगार्टन विद्यालय के शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारी विश्व के अग्रणी विद्यालयों के मानकों के तर्ज पर शैक्षणिक उत्कृष्टता, भावनात्मक कल्याण और सामाजिक उत्थान को अपनाकर भावी पीढ़ी को निरंतर लाभ पहुँचा रहे हैं। इन विद्यालयों के वर्तमान और पूर्व कर्मचारियों ने रक्षा कर्मियों और सिविल सोसायटी के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में अपनी अनुकरणीय समर्पणता का परिचय दिया है। इन विद्यालयों में 40 प्रतिशत स्थानीय गैर-वर्दीधारी परिवारों के बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इसके अलावा इन विद्यालयों के 77 प्रतिशत कर्मचारी स्थानीय सिविल समाज के गैर-वर्दीधारी परिवारों के हैं।

नेवल किंडरगार्टन विद्यालय के कर्मचारियों ने अनुकरणीय समर्पण की भावना का प्रदर्शन करते हुए कक्षाओं और बुनियादी ढांचे को प्रौद्योगिकी-सक्षम बनाने के लिए कार्य समय के बाद भी अपनी सेवाएँ प्रदान की है। जिसके परिणामस्वरूप इस विद्यालय में एक सुदृढ़ और प्रभावी शिक्षा एवं शिक्षण वातावरण तैयार करने में मदद मिली है।

सामाजिक उत्थान तथा शिक्षा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट योगदान को अंगीकार करते हुए श्री विजयपुरम के नेवल किंडरगार्टन के शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को उप राज्यपाल का प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

****

एथलीट्स, रोइंग टीम
खेल प्रशिक्षण केन्द्र, भारतीय खेल प्राधिकरण
नेताजी स्टेडियम, श्री विजयपुरम

1. कुमारी पी. अलगम्माल
2. कुमारी स्नेहा टोप्पो

कुमारी पी. अलगम्माल और कुमारी स्नेहा टोप्पो जल क्रीड़ा के प्रतिभावान युवा रोइंग एथलीट हैं और आप दोनों कॉम्पेटेटिव टाइम ट्रेल्स एवं एण्ड्यूरेन्स रेसिंग में निपुण हैं। आप दोनों ने रोइंग टीम के रूप में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में लगातार असाधारण खेल कौशल, दृढ़ संकल्प और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए कई पदक हासिल कर इन द्वीपों का नाम रोशन किया है।

आप दोनों ने एक टीम के रूप में पुणे में आयोजित जूनियर राष्ट्रीय रोइंग चैम्पियनशिप-2024 में रजत पदक तथा 2025 में आयोजित अस्मिता महिलाओ की लीग में काँस्य पदक जीत कर इन द्वीपों का गौरव बढ़ाया तथा जम्मू एवं कश्मीर के श्रीनगर में आयोजित 24वीं सब-जूनियर राष्ट्रीय रोइंग चैम्पियनशिप-2022 में चौथा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा, आप दोनों ने 2023 में गोवा में आयोजित 37वें राष्ट्रीय खेल और चण्डीगढ़ में आयोजित जूनियर राष्ट्रीय रोइंग चैम्पियनशिप में भी भाग लिया।

कुमारी स्नेहा टोप्पो ने 2022 में हैदराबाद में आयोजित जूनियर राष्ट्रीय रोइंग चैम्पियनशिप में पाँचवाँ स्थान प्राप्त किया और भोपाल में आयोजित खेलो इण्डिया यूथ गेम्स में भाग लिया।

उत्कृष्ट खेल प्रतिभा को अंगीकार करते हुए नेताजी स्टेडियम, श्री विजयपुरम स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण के खेल प्रशिक्षण केन्द्र की रोइंग टीम की एथलीट्स कुमारी पी. अलगम्माल और कुमारी स्नेहा टोप्पो को उप राज्यपाल का प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

****

एथलीट्स, कयाकिंग एवं केनोइंग टीम
भारतीय खेल प्राधिकरण, खेल प्रशिक्षण केन्द्र
नेताजी स्टेडियम, श्री विजयपुरम

1. सुश्री ऋषिका कुमारी एक्का
2. श्री एस. युवराज

सुश्री ऋषिका कुमारी एक्का और श्री एस. युवराज इन द्वीपों की प्रतिभावान युवा कयाकिंग एवं केनोइंग एथलीट हैं और आप दोनों टाइम ट्रैल्स एवं एण्ड्यूरेन्स रेसिंग में निपुण हैं। आप दोनों ने राष्ट्रीय स्तर की कयाकिंग एवं केनोइंग प्रतियोगिताओं में लगातार प्रदर्शन करते हुए कई पदक हासिल कर इन द्वीपों का नाम रोशन किया है।

आप दोनों ने भोपाल में आयोजित कयाकिंग एवं केनोइंग जूनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप-2023 में रजत पदक और अक्टूबर, 2024 में केरल के आल्लप्पी में आयोजित अखिल भारतीय इन्टर-एस.ए.आई. केनोइंग टूर्नामेन्ट में कांस्य पदक जीत कर इन द्वीपों का गौरव बढ़ाया।

इसके अलावा आप दोनों ने कई अन्य राष्ट्रीय स्तर की कयाकिंग एवं केनोइंग प्रतियोगिताओं में भी सक्रिय रूप से भाग लेकर अपने असाधारण खेल प्रतिभा एवं दृढ़ता का प्रदर्शन किया है।

उत्कृष्ट खेल प्रतिभा को अंगीकार करते हुए नेताजी स्टेडियम, श्री विजयपुरम स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण के खेल प्रशिक्षण केन्द्र की कयाकिंग एवं केनोइंग टीम के एथलीट्स सुश्री ऋषिका कुमारी एक्का और श्री एस. युवराज को उप राज्यपाल का प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

****

साइक्लिंग टीम

1. श्री अपोलोनियस, साइक्लिस्ट, कार निकोबार
2. श्री गौरव मंडल, साइक्लिस्ट, श्री विजयपुरम

श्री अपोलोनियस और श्री गौरव मंडल इस द्वीपसमूह के प्रतिभावान साइक्लिस्ट हैं। आप दोनों व्यक्तिगत एवं टीम स्प्रिंट स्पर्धाओं में निपुण हैं। आप दोनों ने राष्ट्रीय स्तर की कई प्रतियोगिताओं में लगातार अपने खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए कई पदक जीत कर इन द्वीपों का गौरव बढ़ाया है।

श्री अपोलोनियस ने जयपुर में आयोजित 73वीं राष्ट्रीय ट्रैक साइक्लिंग चैम्पियनशिप-2021 और दिल्ली में आयोजित आसियान कप-2018 के टीम स्प्रिंट स्पर्धा में एक-एक रजत पदक तथा दिल्ली में आयोजित आसियान चैम्पियनशिप-2019 के टीम स्प्रिंट स्पर्धा में एक स्वर्ण पदक जीत कर और श्री गौरव मंडल ने चेन्नई में आयोजित 76वीं राष्ट्रीय ट्रैक साइक्लिंग चैम्पियनशिप-2024 के टीम स्प्रिंट स्पर्धा एवं 2025 में उत्तराखण्ड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल के टीम स्प्रिंट स्पर्धा में एक–एक स्वर्ण पदक जीत कर तथा 2023 में दिल्ली में आयोजित 37वें राष्ट्रीय खेल में टीम स्प्रिंट स्पर्धा में रजत पदक जीत कर इन द्वीपों का नाम रोशन किया।

इसके अलावा आप दोनों ने कई अन्य राष्ट्रीय स्तर की साइक्लिंग स्पर्धाओं में भी सक्रिय रूप से भाग लेकर लगातार अपने असाधारण खेल कौशल और प्रतिस्पर्धी खेल भावना का प्रदर्शन किया है।

उत्कृष्ट खेल प्रतिभा को अंगीकार करते हुए साइक्लिस्ट श्री अपोलोनियस और साइक्लिस्ट श्री गौरव मंडल को उप राज्यपाल का प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

****

श्री इमैनुएल, फुटबॉल खिलाड़ी एवं विल्लेज हेडमैन - सेकेण्ड कैप्टन

श्री इमैनुएल इस द्वीपसमूह के एक प्रतिष्ठित फुटबॉल खिलाड़ी हैं। आप सुब्रतो मुखर्जी कप-1966 के फाइनल मैच में किए गए ऐतिहासिक विजयी गोल के लिए जाने जाते हैं। वर्तमान में आप कार निकोबार में विल्लेज हेडमैन- सेकेण्ड कैप्टन हैं।

आपका जन्म 2 फरवरी, 1951 में कार निकोबार के तमालू गाँव में हुआ था। आपकी स्कूली शिक्षा कार निकोबार में हुई। बचपन से ही आप फुटबॉल के एक प्रतिभावान खिलाड़ी रहे हैं। आपको 1965 में सिर्फ 13 वर्ष की आयु में ही दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल कप में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त हुआ। इस मैच में आपने अपनी टीम को सेमीफाइनल तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जो उस उम्र में एक उत्कृष्ट उपलब्धि थी। आपको अगले ही वर्ष 1966 में इसी टूर्नामेन्ट में राइट विंगर के रूप में खेलने का अवसर प्राप्त हुआ और आपने इस टूर्नामेन्ट के फाइनल मैच में विजयी गोल दाग कर अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई और इस द्वीपसमूह का भी गौरव बढ़ाया।

आपकी खेल प्रतिभा को देखते हुए प्रशासन द्वारा 1970 में आपको सरकारी पद पर नियुक्त किया गया। आपने लगभग पाँच वर्षों तक सरकारी सेवा में अपनी सेवाएँ प्रदान करने के बाद गहरी आध्यात्मिक आस्था से प्रेरित होकर अपने समुदाय के लिए आध्यात्मिक सेवाएँ प्रदान करने का निर्णय लिया। तत्पश्चात आपने पूरी ईमानदारी और करूणा भाव के साथ अपने समुदाय की आध्यात्मिक सेवा की। आपकी प्रतिबद्धता और नेतृत्व गुणों के कारण आपके समुदाय ने कई बार आपको विल्लेज हैडमैन-कैप्टन की जिम्मेदारी सौंपी।

फुटबॉल के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रदर्शन और सामाजिक उत्थान में किए गए उल्लेखनीय योगदान को अंगीकार करते हुए फुटबॉल खिलाड़ी एवं कार निकोबार के विल्लेज हेडमैन-सेकेण्ड कैप्टन श्री इमैनुएल को उप राज्यपाल का प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

****

स्कूबा डाइव टीम

1. श्री डिक्सन पोयेसे, स्कूबा डाइव अनुदेशक
2. श्री जैक्सन पोयेसे, स्कूबा डाइव अनुदेशक

श्री डिक्सन पोयेसे और श्री जैक्सन पोयेसे उत्तर तथा मध्य अण्डमान जिला के मायाबंदर स्थित वेबी गाँव के निवासी हैं। आप दोनों करेन समुदाय के एक अग्रणी स्कूबा डाइव अनुदेशक हैं। आप दोनों ने विश्व में अण्डमान के डाइव स्थल को प्रसिद्धि दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

श्री डिक्सन पोयेसे ने अण्डमान सागर के पानी के नीचे की अद्भुत दुनिया की खोज में 22 वर्षों से अधिक समय बिताया है। आपने स्वराज द्वीप के पास एक प्रतिष्ठित डाइव स्थल की खोज की जिसे 'डिक्सन्स पिन्नेकल' के नाम से जाना जाता है जो अब एक विश्व प्रसिद्ध डाइव स्थल है, जहाँ समृद्ध समुद्री जैव–विविधता और समुद्र की गहराई में अद्भुत परिदृश्यों को देखा जा सकता है।

श्री जैक्सन पोयेसे भारत के स्कूबा डाइविंग समुदाय के एक अग्रणी स्कूबा डाइवर हैं। आप 1998 में अपने समुदाय के पहले प्रमाणित डाइव मास्टर बने जो अण्डमान डाइविंग उद्योग में मील का पत्थर साबित हुआ। आपने पिछले 27 वर्षों से इस द्वीप के डाइविंग परिदृश्यों को आकार दिलाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आपने 'जैक्सन बार' जैसे प्रतिष्ठित डाइव स्थलों की खोज की। आपके इन प्रयासों से कई लोगों के लिए आजीविका के अवसर भी उपलब्ध हुए हैं।

आप दोनों ने सैकड़ों डाइवर्स को प्रशिक्षित और उनका मार्गदर्शन किया जो आप दोनों के स्कूबा डाइविंग विशेषज्ञता और समुद्र से अटूट प्रेम को दर्शाता है। आपने विश्व को अण्डमान सागर के भीतर मौजूद अनजान दुनिया से भी परिचित कराया।

स्कूबा डाइविंग की अद्भुत प्रतिभा और अण्डमान के स्कूबा डाइव स्थलों को प्रसिद्धि दिलाने में किए गए उल्लेखनीय योगदान को अंगीकार करते हुए स्कूबा डाइव अनुदेशक श्री डिक्सन पोयेसे और स्कूबा डाइव अनुदेशक श्री जैक्सन पोयेसे को उप राज्यपाल का प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

****

श्री सॉ जॉन ऑन्ग थॉन्ग
प्राइवेट कामगार, कृषक एवं पर्यटन प्रवर्तक
मायाबंदर

श्री सॉ जॉन ऑन्ग थॉन्ग मायाबंदर के निवासी हैं। आप एक प्राइवेट कामगार और कृषक के साथ–साथ एक पर्यटन प्रवर्तक भी हैं। आपने करेन समुदाय के सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण और सामुदायिक सशक्तिकरण के साथ–साथ पर्यावरण हितैषी पर्यटन को बढ़ावा देने में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

आपने मायाबंदर के वेबी गाँव में एक पर्यावरण हितैषी आवास 'को–ही होमस्टे' की स्थापना की जहाँ करेन समुदाय के सांस्कृतिक मूल्यों और परंपराओं को बखूबी दर्शाया गया है। आपके इन प्रयासों से स्थानीय शिल्प को बढ़ावा मिला, जिससे स्थानीय लोगों के लिए आजीविका के अवसर उपलब्ध हुए हैं।

आपके इन बहुआयामी सेवाओं के लिए विश्व के द्वीपों के अतुल्य आवासों और संस्कृतियों के संरक्षण से जुड़े संगठन 'सीकोलॉजी' द्वारा भी आपको सीकोलॉजी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इसके अलावा, आपके द्वारा स्थापित इस होमस्टे को वर्ष 2020 में आयोजित इण्डियन रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म अवार्ड्स समारोह में सर्वश्रेष्ठ होमस्टे के लिए स्वर्ण पुरस्कार भी प्रदान किया गया है।

करेन समुदाय के सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण एवं पर्यावरण हितैषी पर्यटन के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय योगदान को अंगीकार करते हुए मायाबंदर के प्राइवेट कामगार, कृषक एवं पर्यटन प्रवर्तक श्री सॉ जॉन ऑन्ग थॉन्ग को उप राज्यपाल का प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

****

श्री चिंताहरण बिस्वास, कृषक
भरतपुर, शहीद द्वीप

श्री चिंताहरण बिस्वास शहीद द्वीप के भरतपुर गाँव के एक प्रगतिशील कृषक हैं। आपने एक अनूठे पहल के तहत आम की एक अलग किस्म की पैदावार करके भारत में आम की कृषि के क्षेत्र में इस द्वीपसमूह का गौरव बढ़ाया है।

आपने अपनी कृषि भूमि को 20 अलग–अलग और मूल्यवान किस्म के लगभग 100 आम के पेड़ लगा कर एक फलते–फूलते आम के बगीचे मे बदल दिया है। आपने अपने बगीचे में "चिंता आम" नामक एक ऐसी किस्म के आम को भी विकसित किया, जो अपने अनूठे स्वाद, सुगंध और गुणवत्ता के लिए व्यापक लोकप्रियता हासिल की है। आपकी इस उपलब्धि से अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह सहित भारत को एक बार फिर विश्व में आम की कृषि के क्षेत्र में प्रसिद्धि हासिल हुई है।

आपके द्वारा विकसित "चिंता आम" को नई दिल्ली के पादप किस्मों के संरक्षण एवं कृषक अधिकार प्राधिकरण द्वारा पंजीकृत कृषक पादप किस्म के रूप में मान्यता दी गई है, जो कृषि के क्षेत्र में आपके समर्पण एवं नवाचार का प्रमाण है।

आपने सीखने के अपने जुनून से प्रेरित होकर पुस्तकों, प्रशिक्षणों और कृषि से संबंधित विभागों और साथी किसानों के सहयोग से वैज्ञानिक कृषि पद्धति को अपनाकर यह साबित किया है कि एक किसान भी अपने लगन और अथक प्रयास से लोगों को बेहतरीन लाभ पहुँचा सकता है।

"चिंता आम" नामक आम की नई किस्म विकसित कर इसे पहचान दिलाने में किए गए उल्लेखनीय योगदान को अंगीकार करते हुए शहीद द्वीप के भरतपुर गाँव के कृषक श्री चिंताहरण बिस्वास को उप राज्यपाल का प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

****

श्री के. आर. राधा कृष्णन नायर, कृषक
धर्मपुर, शिवपुरम, रंगत

श्री के. आर. राधा कृष्णन नायर रंगत के शिवपुरम ग्राम पंचायत के धर्मपुर गाँव के एक 80 वर्षीय प्रगतिशील किसान हैं। आपका सम्पूर्ण जीवन ही चुनौतीपूर्ण जलवायु–प्रतिरोधी कृषि का एक जीवंत उदाहरण है। आपने विशिष्ट कृषि पद्धति को अपनाकर प्रतिकूल मौसम में भी खेती करने में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर एक मिसाल कायम किया है।

आपने जैविक तथा संधारणीय कृषि अपनाकर अपनी कृषि भूमि को एकीकृत कृषि प्रणाली के एक जीवंत मॉडल के रूप में बदल दिया है। आपने अपने खेत में मसालों जैसे काली मिर्च, दालचीनी, तेजपत्ता, मौसमी फलों, सब्जियों, कंद–मूलों की पैदावार कर, कृषि वानिकी और मत्स्यपालन, मुर्गीपालन के अलावा खेत पर वर्मीकम्पोस्टिंग तैयार कर एक मिश्रित कृषि का सर्वश्रेष्ठ मॉडल प्रस्तुत किया है। आपके इस प्रणाली से न केवल मृदा स्वास्थ्य और उत्पादकता को बढ़ावा मिला है, बल्कि यह प्रणाली जैव विविधता की रक्षा और जलवायु संबंधी चुनौतियों से निपटने में भी सहायक सिद्ध हुई है।

आपने अपने अनुभव से प्राप्त जानकारियों को अन्य किसानों के साथ साझा करने हेतु किसानों के लिए कृषि निदर्शन एवं प्रशिक्षण प्रदान कर गुणवत्तापूर्ण पौध–रोपण का प्रचार–प्रसार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आपने हमेशा ही युवाओं और भावी पीढ़ी को खेती–किसानी में रूचि पैदा करने के लिए प्रेरित किया है।

जैविक और मिश्रित कृषि के माध्यम से जलवायु–प्रतिरोधी कृषि प्रणाली के प्रचार–प्रसार में किए गए उल्लेखनीय योगदान को अंगीकार करते हुए रंगत के शिवपुरम ग्राम पंचायत के धर्मपुर गाँव के कृषक श्री के. आर. राधा कृष्णन नायर को उप राज्यपाल का प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

****

श्रीमती भानुमति, श्री गुरू स्वयं सहायता समूह की सदस्या
एवं
सामुदायिक विशेषज्ञ तथा लखपति दीदी, बिडनाबाद

श्रीमती भानुमति बिडनाबाद गाँव की एक प्रबुद्ध निवासी हैं। आप ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के सामाजिक उत्थान के लिए एक सामुदायिक विशेषज्ञ के रूप में सेवाएँ प्रदान कर रही हैं। आपने बिडनाबाद ग्राम पंचायत के लगभग 160 ग्रामीण निर्धन महिलाओं को संगठित कर स्वयं सहायता समूह गठित करवाकर उन्हें आजीविका की गतिविधियों से जोडने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आप राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की एक प्रशिक्षित आंतरिक लेखा परीक्षक होने के साथ एक प्रशिक्षित सामाजिक लेखा परीक्षक भी हैं और आप मनरेगा, शिक्षा विभाग तथा श्रम विभागों की स्कीमों का सामाजिक लेखा परीक्षा के कार्य भी कर रहीं हैं। आप स्वयं सहायता समूह की एक लखपति दीदी सदस्य भी हैं। आपने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से पुष्प कृषि, जैविक कृषि, मधुमक्खी पालन, सहजन पत्ते के पाउडर तैयार करने और कृषि के कई विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने क्षेत्र के स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को भी आजीविका के विभिन्न गतिविधियों में शामिल किया।

इसके अलावा, आपने बालिकाओं के लिए विशेष ग्रीष्मकालीन शिविर, महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क फील्ड भ्रमण, बच्चों के लिए निःशुल्क योग प्रशिक्षण प्रदान करने तथा श्रमिकों के बच्चों को बेहतर शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

ग्रामीण महिलाओं को आजीविका के साधन जुटाने में सहयोग तथा सामाजिक उत्थान में किए गए उल्लेखनीय योगदान को अंगीकार करते हुए बिडनाबाद के श्री गुरू स्वयं सहायता समूह की सदस्या एवं सामुदायिक विशेषज्ञ तथा लखपति दीदी श्रीमती भानुमति को उप राज्यपाल का प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

****